ASU NEWS-LETTER

Vol. 1 No. 4 November-December 2016

Allahabad State University
CPI Campus,
Mahatma Gandhi Road,
Civil Lines,
Allahabad- 211001. U.P. India.
Website: www.alldstateuniversity.org

ADMINISTRATION:

Prof. Rajendra Prasad
Vice Chancellor
Mobile: +91-9415313714
Ph. (O) 0532- 2256206
email:
rprasad55@rediffmail.com
asuallahabad@gmail.com

Dharmendra Prakash Tripathi
Finance Officer
Mobile No.: +91- 8004915375
Ph (O): 0532- 2256222
email: financeofficer.asu@gmail.com

Sanjay Kumar
Registrar
Mobile No. +91-9415196266
Ph (O): 0532- 2256207
email: registrarasua@gmail.com

Deepti Mishra
Deputy Registrar
Mobile No.: +91-9452092149

कुलपति की कलम से

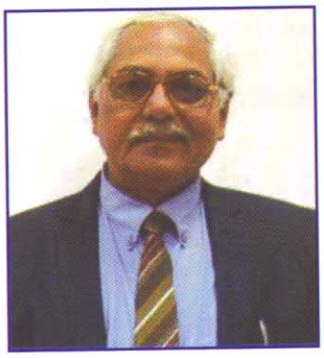

उ0प्र0 के यशस्वी मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव जी की घोषणा के अनुरूप स्थापित इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद उच्च शिक्षा के विश्वस्तरीय संस्थान के रूप में पहचान बनाने की दिशा में निरन्तर प्रगति के पथ पर बढ़ रहा है। 17 जून 2016 से इस विश्वविद्यालय ने अपनी अकादमिक यात्रा प्रारम्भ करके विगत छः महीने में शैक्षिक एवं प्रशासनिक क्रिया–कलापों को समयबद्ध ढंग से संचालित करते हुए, आवासीय एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों के परिसरों में प्रवेश एवं दैनन्दिन कार्य सहित अध्ययन–अध्यापन को पूरी तरह से क्रियाशील बना दिया है। ज्ञान–विज्ञानार्जन हेतु श्रीमद् भगवद्गीता के उद्घोष **"न हि ज्ञानेन सदृशं पवित्रमिह विद्यते"** को विश्वविद्यालय के प्रतीक–चिह्न में समाहित किया गया है।

इसी बीच आवासीय परिसर में 'सेबी' कार्यशाला, स्वच्छ भारत अभियान के अन्तर्गत 'स्वच्छता पखवारा', राष्ट्रीय सेवा योजना' का शुभारम्भ, विद्यार्थियों के "व्यक्तित्व विकास" की कार्यशाला आदि आयोजनों द्वारा सर्वांगीण विकास हेतु नयी आशा का संचार हुआ है। वर्तमान में अध्ययनरत विद्यार्थियों की सेमेस्टर/वार्षिक परीक्षाओं का ससमय विनिश्चयन हो चुका है। इस प्रकार आशातीत शैक्षिक स्पंदन परिलक्षित हो रहा है। 13 दिसम्बर 2016 को विश्वविद्यालय की कार्य परिषद की प्रथम बैठक के दौरान लिये गये निर्णयों के अनुपालन हेतु समुचित कदम उठाये गये हैं।

यह बताते हुए हर्ष की अनुभूति हो रही है कि माननीय मुख्यमंत्री जी ने, 'उ0प्र0 औद्योगिक विकास निगम' द्वारा आवंटित लगभग 112 एकड़ भूमि पर विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर की स्थापना और प्रशासनिक एंव शैक्षिक भवनों के निर्माण हेतु विगत 20 दिसम्बर 2016 को "शिलान्यास" करके विकास का नया अध्याय जोड़ दिया है। तत्क्रम में परिसरान्तर्गत 'स्व0 जनेश्वर मिश्र आधुनिकतम पुस्तकालय' का भी 25 दिसम्बर 2016 को "शिलान्यास" माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा किया जा चुका है।

हम, वर्ष 2016 को अपनी शानदार उपलब्धियों के साथ अलविदा कहते हुए, समस्त विश्वविद्यालय परिवार और अपनी ओर से नूतन वर्ष 2017 के आगमन पर सम्पूर्ण मानव समाज का अभिनन्दन करते हैं और सुख, शांति एवं खुशहाली हेतु शुभ कामनायें देते हैं। साथ ही आशा व्यक्त करते हैं कि आगामी वर्ष में यह विश्वविद्यालय आप सबके सहयोग से अपने उत्कर्ष हेतु नये कीर्तिमान स्थापित करेगा।

RPrasad

ज्ञानं तेऽहं सविज्ञानमिदं वक्ष्याम्यशेषतः।
यज्ज्ञात्वा नेह भूयोऽन्यज्ज्ञातव्यमवशिष्यते।। (7/2)

- श्रीमद्भगवद्गीता

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद की कार्य परिषद के सम्मानित सदस्यगण

1	प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद	कुलपति, इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।	अध्यक्ष
2	प्रो0 ओम प्रकाश	पूर्व कुलपति महात्मा ज्योतिबा फूले रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली।	सदस्य
3	प्रो0 ओंकार सिंह	कुलपति, मदनमोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, गोरखपुर।	सदस्य
4	प्रो0 महेन्द्र लामा	पूर्व कुलपति, सिक्किम विश्वविद्यालय, गंगटोक, सिक्किम।	सदस्य
5	प्रो0 पी0सी0 त्रिवेदी	पूर्व कुलपति, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर एण्ड डा0 राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद।	सदस्य
6	प्रो0 आर0माली	पूर्व कुलपति, नार्थ महाराष्ट्र यूनिर्वसिटी, मुम्बई।	सदस्य
7	प्रो0 आर0पी0 सिंह	पूर्व कुलपति, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।	सदस्य
8	प्रो0 आर0के0 मिश्रा	पूर्व कुलपति, गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर।	सदस्य
9	डा0 मो0अकरम जावेद	पूर्व निदेशक, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली।	सदस्य
10	प्रो0 जी0के0राय	पूर्व विभागाध्यक्ष, प्राचीन इतिहास विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।	सदस्य
11	प्रो0 सुषमा यादव	पूर्व प्रतिकुलपति, इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली।	सदस्य
12	प्रो0 माहेश्वर मिश्र	पूर्व संकायाध्यक्ष, विज्ञान संकाय, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर।	सदस्य
13	प्रो0 गौतम सेन	पूर्व निदेशक, नेशनल सेन्टर फार इण्टरनेशनल सिक्यूरिटी एण्ड डिफेंस एनालिसिस, पुणे विश्वविद्यालय, पुणे।	सदस्य
14	प्रो0 जी0जे0 रेड्डी	निदेशक, सेंटर फार साउथ–ईस्ट एशिया एण्ड पैसिफिक स्टडीज, एस.वी. विश्वविद्यालय, तिरूपति, आन्ध्र प्रदेश।	सदस्य
15	लेफ्टीनेंट जनरल बी0एस0 नागल	निदेशक, सेंटर फार लैड वारफेयर स्टडीज, परेड रोड, डेलही कैण्ट, नई दिल्ली।	सदस्य
16	प्रो0 वाई0सी0 यादव	पूर्व प्राचार्य एवं ईएनटी विशेषज्ञ, बाबा राघव दास मेडिकल कॉलेज, गोरखपुर।	सदस्य
17	डा0आर0पी0 सिंह	निदेशक, उच्च शिक्षा, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।	सदस्य
18	श्री उज्ज्वल रमण सिंह	चेयरमैन, उ0प्र0 सीड कारपोरेशन, लखनऊ।	सदस्य
19	प्रो0 के0पी0 कुशवाहा	पूर्व प्राचार्य, बी0आर0डी0मेडिकल कॉलेज, गोरखपुर।	सदस्य
20	प्रो0 आर0एस0यादव	पूर्व प्रतिकुलपति एवं वरिष्ठ आचार्य, वाणिज्य विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।	सदस्य
21	डॉ0 श्रीराम पाठक	पूर्व प्राचार्य, गाँधी शताब्दी स्मारक स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोयलसा, आजमगढ़।	सदस्य
22	प्रो0 जी0एल0तिवारी	अवकाश प्राप्त विभागाध्यक्ष, वनस्पति विज्ञान विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।	सदस्य
23	डा0 अशोक कुमार श्रीवास्तव	पूर्व सदस्य उत्तर प्रदेश उच्चतर शिक्षा सेवा चयन आयोग, इलाहाबाद।	सदस्य
24	वित्त अधिकारी	इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद	आ.सदस्य
25	कुलसचिव	इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद	सदस्य सचिव

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय की कार्य परिषद की प्रथम बैठक (दिनांक 13.12.2016) में उपस्थित माननीय सदस्यगण एवं अन्य अधिकारीगण।

कार्य परिषद द्वारा स्वीकृत इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय का प्रतीक चिह्न

विश्वविद्यालय का नाम–चिह्न, आदर्श वाक्य और रंग का प्रतीकायन

1.	गंगा, यमुना एवं अदृश्य सरस्वती की जल धारायें	ज्ञान विज्ञान की सतत विकसनशीलता की प्रतीक हैं।
2.	24 अरें (Spokes)	ज्ञानालोक के विस्तारण की द्योतक हैं।
3.	हाथ पर स्थित संसार का ग्लोब	सम्पूर्ण संसार को ज्ञानालोक से परिव्याप्त एवं संप्राप्त कर लेने का बोधक है।
4.	नीला आधार	अनन्त ज्ञान और निस्सीम अम्बर का बोधक है।
5.	आदर्श वाक्य	ज्ञान की अप्रतिम पवित्रता का उद्घोष करता है।

रंगों के द्वारा लक्षित विविध विद्या–शाखायें

नीला	कला	हरा	कृषि विज्ञान
नारंगी	विज्ञान	लाल	चिकित्सा विज्ञान
श्वेत	शिक्षा	आसमानी	अभियांन्त्रिकी एवं प्रौद्योगिकी
धूसर (ग्रे)	वाणिज्य एवं प्रबन्धन	पीतिमा मण्डित–नारंगी रंग	होम्योपैथिक एवं आयुर्वेदिक चिकित्सा
काला	विधि संकाय		

"न हि ज्ञानेन सदृशं पवित्रमिह विद्यते"

निश्चित रूप से इस लोक में ज्ञान के समान पवित्र और कुछ भी नहीं है।

Certainly there is no purifier in this world like knowledge

"निश्चित रूप से इस संसार में ज्ञान के समान पवित्र और कुछ भी नहीं है" क्योंकि ज्ञान ही ईश्वर है। ज्ञान अनन्त, सत्य और परम पवित्र है। ज्ञान प्रशंसनीय होता है और अज्ञान निन्दनीय। (निरुक्त प्रथम अध्याय–1) "प्रज्ञानेत्रो लोकः" केन उपनिषद् के इस वाक्य से सुस्पष्ट है कि इस संसार की स्थिति, प्राप्ति, गति एवं प्रगति प्रज्ञान नेत्र से सम्भव है। ज्ञान प्राप्ति से परम शान्ति अर्थात् मोक्ष की प्राप्ति तथा संशय की समाप्ति होती है। इस लोक में ज्ञानोपलब्धि से ही व्यक्ति के मान, सम्मान, पद प्रतिष्ठा, पवित्रता तथा उच्चता की निश्चितता होती है। जिस प्रकार पशु एवं मनुष्य में अंतर का मूल आधार ज्ञान है। उसी भाँति मनुष्य से मनुष्य की श्रेष्ठता का निश्चयन ज्ञान के आधार पर ही होता है। ज्ञान से ही मनुष्य देवत्व प्राप्त करता है। ज्ञानी का ज्ञान ही उसकी पूजनीयता का कारण है, न कि उसकी उच्च कुलीनता, धनाढ्यता अथवा दिव्याकृति।

योगेश्वर भगवान श्रीकृश्ण ने (श्रीमद्भगवद्गीता के 4/38 श्लोक में) अर्जुन को ज्ञान योग का उपदेश करते हुए कहा है कि "हे अर्जुन! इस संसार में निश्चयेन ज्ञान के समान पवित्र और कुछ भी नहीं है। इसलिए ज्ञानियों को आप जानिए। उनकी सेवा सुश्रूशा कीजिए तथा प्रणाम पूर्वक उनकी कृपा प्राप्त कर ज्ञान का उपदेश प्राप्त करें।" ज्ञान में ही सभी कर्म समाहित तथा भस्मीभूत हो जाते हैं।

विश्वविद्यालय ज्ञान विज्ञान का स्रोत है। यहीं से ज्ञान के नानात्मक स्रोत उत्सर्जित होते हैं, जो सम्पूर्ण विश्व किंवा ब्रह्माण्ड को व्याप्त कर लेते हैं। इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद के प्रतीक चिह्न में लक्ष्य वाक्य के रूप में उक्त गीता का श्लोकार्ध गृहीत है, जो यह उद्घोश कर रहा है कि निश्चित रूप में ज्ञान की पवित्रता अद्वितीय है। उसके समान इस धरती पर और कुछ भी पवित्र नहीं है। यह ध्रुव सत्य है। जिज्ञासुजनों की ज्ञान पिपासा को शान्त कराने के लिए यह विश्वविद्यालय कृत संकल्प है। ज्ञान से सम्पूर्ण पृथ्वी को आलोकित करना, विश्वस्तरीय वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना को प्रतिष्ठित करना, अध्ययन, मनन, अन्वेषण एवं प्रवचन की उच्चता द्वारा सारे संसार को उपकृत एवं व्याप्त कर लेना आदि इस विश्वविद्यालय की स्थापना का पवित्र लक्ष्य नियत है।

ज्ञातव्य है, कि सवितृ देव के अधिश्ठान काल (सूर्योदय से एक क्षण पूर्व) में नभोमण्डल, शक्तिदायिनी, उद्बोधक किरणों की आभा एवं शक्ति से आभरित हो जाता है, जो प्रति प्राणी को जागरित एवं उद्बोधित करता है। सोते जनों को अपने ज्ञानालोक एवं शक्ति से उद्बुद्ध कर अग्रिम दिवस के लिए सक्रिय करता है। ऋषि ने गायत्री छन्दोबद्ध ऋचा में सवितृ देव से बुद्धि को सतत प्रेरित करते हुए तीव्रतर एवं तीक्ष्णतर बनाने की प्रार्थना किया है। गायत्री छन्द में कुल 24 अक्षर होते हैं, जिनसे बुद्धि की विकसनशीलता निश्चित की गई है। इसलिए विश्वविद्यालय के मोनोग्राम में 24 अरें (spokes) ज्ञान प्रकाशमय समय चक्र का विस्तारण करती हुई दर्शित हैं। विश्वामित्र, याज्ञवल्कक्य वसिष्ठ, गौतम, भरद्वाज एवं गर्ग आदि धर्म के 24 ऋशियों के प्रतीक को स्पष्ट करती हैं। साथ ही अहर्निशि (24 घण्टे) चेष्टावान रहने के लिए प्रेरित करती हैं। भारत के झण्डें में सम्राट अशोक के चक्र से ये अनुकृत हैं। भारतीय धर्म में निहित जीवन के अर्थ का ख्यापन, 24 अरों द्वारा सम्बोधित है, जो मुख्य रूप में प्रेम, साहस, धैर्य, सहनशीलता, शांति, उत्साह, विश्वास, आत्मसंयम, भद्रता, आत्मत्याग, सत्यपराणता, न्याय, दया, संतोश, मानवता, सहानुभूति, दार्शनिकता, नैतिकता, आध्यात्मिकता तथा ईश्वर पर विश्वास आदि का प्रतिनिधित्व करती हैं। इसलिए इस विश्वविद्यालय के नाम चिह्न (Monogram) के अन्दर 24 अरें प्रदर्शित हैं। जो विश्वविद्यालय के उक्त सभी नीति सक्ष्यों को दर्शित कर रही हैं। इन 24 अरों (spokes) का रंग पीतिमा मण्डित नारंगी है। जो स्पष्टता, वीरता तथा ज्ञान का द्योतक है। इससे विश्वविद्यालय द्वारा मानव जीवन के उक्त सभी अर्थों तथा ज्ञानालोक का सम्पूर्ण धरती पर विस्तारण स्पष्टता तथा वीरता के साथ करता हुआ सिद्ध हो रहा है।

नाम चिह्न (Monogram) के मध्य और चक्र के अन्दर नीला (आसमानी) रंग दर्शित है, जो शीतलता और शांत भाव का रंगत है। इस रंग से आशा, आनन्द और स्थिरता का भावांकन होता है। साथ ही नीला रंग अनन्त आकाश का द्योतक है। जो इस विश्वविद्यालय के ज्ञान की परिधि की निस्सीमितता एवं विशालता का द्योतक है।

नाम चिह्न (Monogram) के अन्तर्गत गंगा, यमुना एवं अदृश्य सरस्वती संज्ञक तीनों नदियों की सतत प्रवहमान जलधाराओं का चित्रण यह सिद्ध करता है कि प्रयाग सदा से ज्ञान का संगमन और विस्तरण सतत रूप में करता आ रहा है। यहाँ की त्रिवेणी का परम श्रद्धास्पद संगमस्नान ज्ञानस्नान का प्रतीक है। ऋषि ऋतम्भरा ने आदिकाल से अविरत्न रूप में ज्ञान विज्ञान के स्रोत का यहाँ से पूरे संसार में अविच्छिन्न जलधारा की भाँति प्रवाहित किया है, जिसको यह विश्वविद्यालय भावी गतिमयता प्रदान कर रहा है।

विश्वविद्यालय के नाम चिह्न (Monogram) का सम्पूर्ण गोलाचक्र (केन्द्र के बाहर) का भाग धूसर(ग्रे) रंग से रंगित है। यह रंग प्रसन्नता, शान्त, अक्षिप्रियता तथा विश्राम का भाव उत्पन्न करता है। इससे विश्वविद्यालय के भी उक्त सभी भावों का ख्यापन होता है। इस विश्वविद्यालय के दर्शन सुखद, शान्त एवं प्रसन्नतादायी हैं। इसमें कृत अध्ययन, अध्यापन एवं अन्वेषण अपने में उक्त सभी गुणों से उपेत होंगे, जो सम्पूर्ण संसार के लिए प्रसन्नता, शान्ति एवं विश्राम के लिए होंगे। ऐसा प्रदर्शन धूसर रंग (Grey) कर रहा है।

विश्वविद्यालय के नाम चिह्न के केन्द्र में दोनों हाथों में संसार का ग्लोब आधारित चित्र प्रदर्शित किया गया है, जो इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के मुख्य एवं केन्द्रस्थ लक्ष्य भाव की अभिव्यक्ति कर रहा है कि यह विश्वविद्यालय अपने ज्ञानालोक से सम्पूर्ण धरित्री को आलोकित करेगा। सम्पूर्ण संसार को मानव ज्ञान की अनेक विध विद्याशाखा और प्रशाखाओं से व्याप्ति एवं प्राप्ति करेगा। इस ग्लोब पर सारे संसार के सभी देशों के मानचित्र के साथ भारत का मानचित्र सुस्पष्ट कर यह सिद्ध करने का यत्न प्रदर्शित हुआ है कि भारत में स्थित यह विश्वविद्यालय अपनी अकादमिक उपलब्धियों से सम्पूर्ण पृथ्वी के ज्ञान क्षेत्र को परिव्याप्त कर लेगा। दोनों हाथ विद्या और अविद्या के भी द्योतक हैं। "**अविद्यया मृत्युं तीर्त्वा विद्ययाऽमृतमश्नुते**" की भावना से ओतप्रोत दोनों हाथ लौकिक एवं आध्यात्मिक ज्ञानोपलब्धियों के प्रतीक हैं। भारत सम्पूर्ण विश्व का ज्ञान विज्ञान का गुरु सिद्ध होता रहेगा। इसने इस लोक की सिद्धि के साथ परलोक (मोक्ष) की सिद्धि का मार्ग प्रशस्त किया है। जो अनागत काल में भी करता रहेगा। दोनों हाथों पर आधारित ग्लोब में विश्व के देशों में भारत की भावी स्थिति की सुनिश्चितता दर्शित है।

नाम चिह्न (Monogram) में लिखित उद्देश्य वाक्य के अक्षरों/शब्दों का विन्यास नारंगी रंग का आधार प्राप्त है। नारंगी रंग की रंगत स्पष्टता एवं वीरता भाव भरित होता है। विश्वविद्यालय के नाम और आदर्श वाक्य में नारंगी रंग इस विश्वविद्यालय की स्पष्टता, पारदर्शिता, ज्ञान वैविध्य तथा वीरता की अभिव्यक्ति कर रहा है। नाम चिह्न के चक्रान्त की परिधि काले रंग की लकीर से दर्शित है, जो अज्ञान और अन्धकार का रंगत है। वस्तुतः अन्धकार और अज्ञान इस प्रकृति के स्थिर तत्त्व के रूप में हैं। ज्ञानालोक ही अज्ञान को समाप्त कर सकता है, जिसका उद्भव हमारा विश्वविद्यालय करता रहेगा। एक पतली लकीर के रूप में खिंचित रेखा श्वेत रंग से दर्शित है। श्वेत रंग प्रेरणा प्रदायी होता है। कोमलता की भावाभिव्यक्ति करता है, जो विश्वविद्यालय के प्रेरक और कोमल भाव को दर्शित कर इसके लक्ष्य का निर्धारण करता है। इस प्रकार Monogram के आकार, प्रकार, रंग, रेखा, वलय और विस्तार आदि से विश्वविद्यालय के स्वरूप, अवस्थिति और आदर्शलक्ष्य का प्रतीकायन और उसका ख्यापन होता है।

ज्ञातव्य है कि उपरिवर्णित भावों एवं विचारों का विनिश्चयन और लेखन प्रो0 (डॉ0) रामहित त्रिपाठी द्वारा कला, संस्कृति, धर्म और संस्कृत विद्या के लब्ध प्रतिश्ठ विद्वान/विदुषी यथा इलाहाबाद केन्द्रीय विश्वविद्यालय, इलाहाबाद के संस्कृत विभाग के प्राक्तन आचार्य एवं अध्यक्ष प्रो0 (डॉ0) सुरेश चन्द्र पाण्डेय, प्रो0 (डॉ0) श्रीमती मृदुला त्रिपाठी, प्रो0 (डॉ0) रामकिशोर शास्त्री एवं प्रो0 (डॉ0) उमाकांत यादव और कलामर्मज्ञ डॉ0 अभिनव गुप्त, असि0 प्रो0, दृश्य कला विभाग के परामर्श से किया गया है।

Signing of Memorandum of Understanding for the Promotion of Higher Learning and Research

Signing of MOU between Allahabad State University and Centre for Land Warfare Studies, Indian Army's Think Tank, New Delhi on December 13, 2016. Signatories are: Prof. Rajendra Prasad, Vice-Chancellor, Allahabad State University and Lt-Gen. B.S. Nagal, Director, Centre for Land Warfare Studies, New Delhi.

Signing of MOU between Allahabad State University and Centre for South- East Asia and Pacific Studies S.V. University, Tirupati, Andhra Pradesh on 13 December 2016. Signatories are : Prof. Rajendra Prasad, Vice-Chancellor, Allahabad State University and Prof. G.J. Reddy, Director, Centre for South-East Asia and Pacific Studies, S.V. University, Tirupati, A.P.

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद भवन का शिलान्यास

उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री मा0 अखिलेश यादव ने 20 दिसम्बर, 2016 को इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद के भवन का शिलान्यास करके युवा वर्ग को बेमिसाल तोहफा दिया।

जनता को विकास की सौगात बाँटने निकले माननीय मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने मंगलवार को इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद के भवन का शिलान्यास किया। जून में अधिसूचना के जरिए सरकार ने इलाहाबाद में राज्य विश्वविद्यालय की स्थापना की थी। मौजूदा समय में सीपीआई परिसर, एमजी मार्ग, सिविल लाइन में यह विश्वविद्यालय चल रहा है। राज्य सरकार द्वारा स्थापित विश्वविद्यालय आधुनिक शिक्षा का केन्द्र होगा। विश्वविद्यालय में 12 स्कूलों व 114 विभागों के जरिये शैक्षणिक गतिविधियां चलाई जाएगीं। विश्वविद्यालय के पहले चरण में हयूमिनिटीज, सोशल साइंसेज एण्ड इंटरनेशनल स्टडीज, कॉमर्स एवं मैनेजमेंट से संबंधित पाठ्यक्रम चलाये गये हैं।

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद के लिए उ0प्र0 शासन द्वारा 649 करोड़ मंजूर

इलाहाबाद में विकसित की जा रही सरस्वती हाईटेक सीटी में इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबद और उसके अन्तर्गत स्व0 जनेश्वर मिश्र की स्मृति में स्व0जनेश्वर मिश्र आधुनिकतम राजकीय पुस्तकालय की स्थापना के लिए यू0पी0 कैबिनेट ने गुरूवार को 648.82 करोड़ रुपये का प्रस्ताव और उच्च विशिष्टियों को मंजूरी दे दी। मंजूर किये गये प्रस्ताव में जमीन की लागत 451.33 करोड़ रुपये, भवन निर्माण के लिए 200.09 करोड़ रुपये तथा आधुनिकतम राजकीय पुस्तकालय के लिए 73.74 करोड़ रुपये की सहमति मिली।

हार्वर्ड विश्वविद्यालय की तर्ज पर बनेगा इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद के आवासीय परिसर का भवन जल्द विस्तार लेगा राज्य विश्वविद्यालय का विकसित स्वरूप

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद की इमारत का प्रारूप अमेरिका के हार्वर्ड विश्वविद्यालय की तर्ज पर होगा। कैम्पस के एकेडमिक और आवासीय इमारत का खाका तैयार हो रहा है।

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद का भवन आधुनिकतम स्वरूप लिए होगा, इसके सभी विद्या शाखाओं को आधुनिक संसाधनों से समृद्ध किया जायेगा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री मा0 अखिलेश यादव की महत्वकांक्षी योजना में यह विश्वविद्यालय शीर्ष प्राथमिकता में शामिल है। कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने बताया कि मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव विश्वविद्यालय को आधुनिकतम स्वरूप प्रदान करना चाहते है। नैनी में नवस्थापित होने वाले इस विश्वविद्यालय का स्वरूप हाइटेक होगा। शासन की नीतियों के अनुसार भवन का निर्माण कार्य जल्द शुरू होगा। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय विभिन्न स्कूलों और विशेषज्ञता वाले पाठ्यक्रमों के साथ संचालित किया जाएगा, जिसमें स्नातक, परास्नातक और उच्च स्तरीय शोध की सुविधा मिलेगी। पाठ्यक्रम, लैब आदि सहित संसाधनों को विश्वस्तरीय बनाया जायेगा।

प्रशासनिक भवन की प्रस्तावित डिजाइन

प्रश्न–पत्र बनाने हेतु पाठ्यक्रम समितियों के संयोजकों की एक–दिवसीय कार्यशाला, 13 दिसम्बर, 2016

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद (एएसयू) की आगामी प्रश्नपत्र हल करने हेतु सेमेस्टर और वार्षिक परीक्षा के पेपर का प्रारूप कैसा हो? पेपर में कितने और किस प्रकार के प्रश्न रखे जायें?परीक्षार्थियों को समय कितना दिया जाये?प्रश्न पत्र कितने अंकों का हो? ऐसे कई सवालों पर राज्य विश्वविद्यालय के सीपीई सभागार में मंथन किया गया।

विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित प्रश्न–पत्र निर्माण एवं स्वरूप विषयक कार्यशाला का उद्घाटन कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने किया। विश्वविद्यालय में कार्यरत प्रो0 जे0एन0 मिश्र ने प्रश्न–पत्रों के प्रस्तावित माडल प्रश्न–पत्र को प्रस्तुत किया। फिर विशेषज्ञों ने इस पर अपनी–अपनी राय दी। रजिस्ट्रार श्री संजय कुमार ने बताया कि प्रश्न– पत्र के स्वरूप को लेकर विशेषज्ञों के कई सारे सुझाव प्राप्त हुए हैं। गुण–दोष के आधार पर इन सभी सुझावों का मूल्यांकन करने के बाद इसे स्वीकार किये जाने पर सहमति बनी है।

रजिस्ट्रार ने सभी सदस्यों से विश्वविद्यालय के शैक्षणिक एवं परीक्षा संबंधी गोपनीय दायित्वों का समय एवं शुचितापूर्ण निर्वहन करने हेतु अपील की।

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय में ऑनलाइन हुए पाठ्यक्रम

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबद में विभिन्न विषयों के पाठ्यक्रमों को ऑनलाइन कर दिया गया है। विश्वविद्यालय की वेबसाइट से छात्र अपने चुनिंदा विषयों के पाठ्यक्रमों को सीधा डाउनलोड कर सकते हैं। यह सुविधा विश्वविद्यालय मुख्य कैम्पस सहित पॉच सौ से अधिक सम्बद्ध महाविद्यालयों के लिए होगी। छात्र विषयों के पेपर एवं उनके खण्डों सहित समस्त पाठ्यक्रमों की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। उत्तर प्रदेश के नवस्थापित शिक्षण संस्थान के रूप में इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय ने विशयों का हाईटेक स्वरूप प्रस्तुत किया है। वर्तमान में जो भी विशय पढ़ाए जा रहे हैं और जो प्रस्तावित हैं, सभी के पाठ्यक्रमों को ऑनलाइन किया जा रहा है। परीक्षार्थियों को अब स्लेवस के अंतर्गत विभिन्न पाठ्यक्रम मिल सकेंगे। वर्तमान में जिन कक्षाओं के कोड उपलब्ध कराये गये हैं, उनमें कला, विज्ञान और वाणिज्य सहित विभिन्न व्यावसायिक पाठ्यक्रम हैं।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद का कहना है कि यहां छात्रों को कोर्स को समझने और तैयार करने में कोई समस्या न हो, इसके लिए यह विशेष प्रयास किया जा रहा हैं। परीक्षार्थियों के व्यक्तिगत परीक्षा के लिए आवेदन शुरू : इलाहाबाद रज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबद से व्यक्तिगत परीक्षार्थी के रूप में फार्म भरने की आनलाइन सुविधा प्रदान करने के लिए कदम उठते हुए बी0ए0, एम0ए0, बी0कॉम0, एम0कॉम0 एवं एकल विषय में परीक्षा दी जा सकती है। यह सुविधा विश्वविद्यालय क्षेत्र के अंतर्गत इलाहाबाद, फतेहपुर, कौशांबी एवं प्रतापगढ़ के स्थाई निवासियों एवं उनके पाल्यों को मिलेगी। छात्र 20 दिसम्बर 2016 से 18 जनवरी 2017 के मध्य आवेदन ऑनलाइन आवेदन कर सकते है। सभी पाठ्यक्रमों का शुल्क ई–चालान के माध्यम से इलाहाबाद बैंक शाखा में जमा किया जायेगा।

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद से संबद्ध महाविद्यालयों की सूची जारी

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद से संबंद्ध महाविद्यालयों की सूची जारी कर दी गई है। प्रथम चरण में मण्डल के 546 कालेजों को शामिल किया गया है। इसमें वित्तीय सहायता प्राप्त एवं वित्तविहीन दोनों स्तर के महाविद्यालय शामिल हैं इन्टरनेट पर सभी महाविद्यालयों का नाम उपलब्ध करा दिये गये है। इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद में विस्तार होना आरम्भ हो गया हैं। अब तक जो महाविद्यालय छात्रपाति शाहू जी महाराज कानपुर विश्वविद्यालय, कानपुर से संबंद्ध थे उन्हें इस विश्वविद्यालय से जोड़ दिया गया है। इसमें नगर के अतिरिक्त प्रतापगढ़, कौशाम्बी और फतेहपुर के कॉलेज शामिल है। फिलहाल विश्वविद्यालय से जुड़े कालेजों की संख्या 546 हैं भविष्य में इसके अधिक विस्तार की संभावना हैं। कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद के अनुसार राज्य सरकार की नीतियों के अनुसार विश्वद्यिालय में अकादमिक एवं प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों का विस्तार दिया जा रहा है। प्रथम चरण में मण्डल के जो भी कॉलेज जुड़े हैं, उनकी सूची ऑनलाईन कर दी गई है। विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.alldstateuniversity.org पर कालेजों का नाम एवं अन्य जानकारी उपलब्ध करा दी गई है। यहाँ पर शिक्षा एवं गुणवत्ता को लेकर नये और कठोर नियम बनाये जायेंगे। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में वर्तमान में विभिन्न योजनाओं पर मंथन चल रहा हैं, जिसके अंतर्गत परम्परागत एवं प्रोफेशनल कोर्स आदि को शामिल किया जायेगा।

राष्ट्रीय संगोष्ठी : महिला सेवा सदन डिग्री कालेज, इलाहाबाद

महिला सेवा सदन डिग्री कालेज, इलाहाबाद द्वारा आयोजित द्विदिवसीय संगोष्ठी ''महादेवी वर्माः व्यक्तित्व एवं कृतित्व'' के समापन सत्र के मुख्य अतिथि के रूप में (27 नवम्बर 2016) अपने उद्‌बोधन में प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने इस तथ्य को रेखांकित किया कि छायावाद के एक प्रमुख स्तम्भ के रूप में महादेवी जी ने अपनी कविताओं के माध्यम से दुखः, करूणा, वेदना, विरहानुभूति और सर्वात्म की भावना में रच–बसकर गीति काव्य को समृद्ध किया। गद्यकार के रूप में देश की समस्याओं के प्रति उनकी प्रखरता और गम्भीरता स्पष्ट परिलक्षित होती है, जिसका पुनरावलोकन होना चाहिए।

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद में 'व्यक्तित्व विकास' पर द्विदिवसीय कार्यशाला,

30 नवम्बर–1 दिसम्बर, 2016

विशेशज्ञों ने छात्र/छात्राओं के व्यक्तित्व विकास के लिए दिये टिप्स

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद द्वारा परिसर में अध्ययनरत् छात्र/छात्राओं के व्यक्तित्व विकास विषय पर दिनांक 30.11.2016 एवं 01.12.2016 को दो–दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में प्रो0 वी0एम0 बैजल द्वारा समस्त आगन्तुकों का स्वागत करते हुए कार्यशाला के उद्देश्य को रेखांकित किया। उद्घाटन सत्र में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद द्वारा उद्बोधन किया गया तथा इस सत्र में भारतीय सेना के कर्नल पी0हनी मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता के रूप में समस्त आगन्तुकों का कुलसचिव श्री संजय कुमार द्वारा धन्यवाद ज्ञापन एवं सत्र का संचालन उप कुलसचिव श्रीमती दीप्ति मिश्रा द्वारा किया गया।

कार्यशाला के पहले दिन दो तकनीकी सत्रों में कर्नल पी0हनी ने 'Leadership Qualities Training & Development' & 'Economy and its Inter-relation with War and Conflict' विशय पर तथा प्रो0राम किशोर शर्मा ने 'Role of Language in Personality Development' पर विवेचना किया। कार्यशाला के दूसरे दिन के पहले तकनीकी सत्र में प्रो0जे0एन0 पाल ने 'Personal Traits of Great Rulers of India' पर तथा शेष दोनों तकनीकी सत्रों में कर्नल पी0हनी ने 'Conflict & Unrest in Kashmir : A Perspective' & 'Cyber War and Cyber Security' विषय पर छात्र/छात्राओं को शिक्षित किया।

1 दिसम्बर, 2016 को कार्यशाला के समापन सत्र में छात्र/छात्राओं से प्रतिक्रिया एवं अनुभव हेतु उनके विचार लिये गये। तदोपरान्त समस्त उपस्थित छात्रों को कार्यशाला में प्रतिभाग करने हेतु मुख्य अतिथि कर्नल पी0 हनी द्वारा प्रमाण–पत्र प्रदान किया गया एवं समस्त वक्ताओं एवं समस्त कार्यक्रमों की अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय के शिक्षकों को स्मृति–चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। समापन सत्र में कार्यशाला का समग्र आकलन प्रो0 राम किशोर द्वारा किया गया तथा अध्यक्षीय उद्बोधन प्रो0 वी0एम0 बैजल द्वारा दिया गया। समापन सत्र में कुलसचिव श्री संजय कुमार द्वारा धन्यवाद ज्ञापित करते हुए विशेशरूप से कार्यशाला के समन्वय प्रो0 वी0एम0 बैजल द्वारा मुख्य वक्ता कर्नल पी0 हनी का आभार व्यक्त किया गया। समापन का संचालन उप कुलसचिव श्रीमती दीप्ति मिश्रा द्वारा किया गया।

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय की 'टाउन और गाउन' परम्परा, गतिविधियाँ और योगदान :

गीत–संगीत में छात्र–छात्राओं ने दिखाया हुनर

अशासकीय सहायता प्राप्त एवं राजकीय इण्टरमीडिएट कॉलेजों की दो दिवसीय 62वीं जनपदीय सांस्कृतिक प्रतियोगिता का समापन रविवार को शिवचरण दास कन्हैया लाल इंटर कॉलेज में हुआ। मुख्य अतिथि इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया।

विशिश्ट अतिथि के रूप में डा0बी0आर0 चौधरी और मण्डलीय संयुक्त शिक्षा निदेशक माध्यमिक महेंन्द्र कुमार सिंह मौजूद रहे। जिला विद्यालय निरीक्षक गोविंद राम, डीआईओएस टू मोहम्मद रफी तथा सहायक जिला विद्यालय निरीक्षक संजय कुशवाहा के अलावा पाठ्यशाला के राजीव खन्ना, कॉलेज प्रबंधक अमित खन्ना उपस्थित थे।

दो दिवसीय प्रतियोगिता में जनपद के 9 संभागों में 772 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। संभाग स्तर पर 200 से अधिक स्कूलों के साढ़ छः हजार से अधिक छात्र/छात्राओं ने हिस्सा लिया।

कार्यक्रम का संचालन रंजना त्रिपाठी, सुधा, डॉ0मनोज मिश्रा ने किया। प्रतियोगिता के जनपदीय प्रभारी डा0निरंजन सिंह ने विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की।

गंगा प्रसाद उपाध्याय पुरस्कार समारोह इलाहाबाद संग्रहालय, इलाहाबाद

'गंगा प्रसाद उपाध्याय पुरस्कार समिति, प्रयाग' द्वारा आयोजित कार्यक्रम दिनांक 20 नवम्बर 2016 के मुख्य अतिथि के रूप में कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने शिरकत की और सुप्रसिद्ध वैदिक विद्वान पं0 गंगा प्रसाद उपाध्याय की स्मृति में दो विद्वानों–स्वामी सम्यक् क्रांतिवेश और डा0 जयदत्त उप्रेती– को उनकी कृतियों, क्रमशः 'सम्यक् दर्शन' और 'देवार्थ प्रकाश' के लिए सम्मान पत्र, उत्तरीय एवं पुरस्कार प्रदान किया।

आकाशवाणी, इलाहाबाद के 'विविधा' कार्यक्रम के अन्तर्गत कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद की ''व्यावसायिक पाठ्यक्रमों से सफल होता भविष्य'' विषयक सीधी वार्ता

विषयकवार्ता प्रसारण –

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने आकाशवाणी केन्द्र इलाहाबाद के विशेष आमंत्रण को स्वीकार करके 'विविधा' कार्यक्रम के अन्तर्गत कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद का ''व्यावसायिक पाठ्यक्रमों से सफल होता भविष्य'' विषयकवार्ता में प्रश्नों का सीधा प्रसारण प्रस्तुत करते हुए 16 नवम्बर, 2016 को सम्पन्न हुई। वार्ता में अपने विचार प्रस्तुत किये, जिसका प्रसारण निर्धारित क्रम में होना हैं। इस वार्ता में राज्य विश्वविद्यालय में संचालित व्यवसायिक पाठ्यक्रमों की भावी दिशा और दशा के बारे में प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने रूपरेखा रखी।

'डीडी यूपी के 'यूपी बोले' कार्यक्रम के अन्तर्गत ''राष्ट्रीय एकता'' विषयक सीधी वार्ता का लखनऊ दूरदर्शन केन्द्र से प्रसारण

कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने लखनऊ दूरदर्शन के विशेष आमंत्रण पर विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया। 'डीडीयूपी के 'यूपी बोले' कार्यक्रम के अन्तर्गत ''राष्ट्रीय एकता'' विषयक सीधी वार्ता में भाग लेते हुए वार्ताकार एवं दर्शकों के प्रश्नों का समाधान प्रस्तुत किया और भारत की उन्नति सर्वांगीण विकास और मानव को भय एवं भाव से मुक्ति हेतु राष्ट्रीय एकता के आवश्यक तत्वों को शेयर किया।

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद में 'व्यक्तित्व विकास' पर द्विदिवसीय कार्यशाला,
30 नवम्बर–1 दिसम्बर, 2016

विशेशज्ञों ने छात्र/छात्राओं के व्यक्तित्व विकास के लिए दिये टिप्स

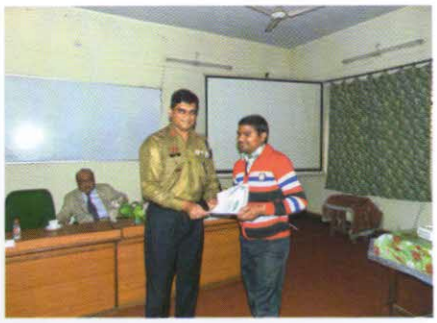

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद भवन का शिलान्यास

इलाहाबाद राज्य विवि के लिए 649 करोड़ मंजूर

लखनऊ : इलाहाबाद के नैनी मे विकसित की जा रही सरस्वती हाईटेक सिटी मे इलाहाबाद राज्य विवि और उसके अंतर्गत स्व.जनेश्वर मिश्र की स्मृति मे आधुनिक विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए कैबिनेट ने गुरुवार को 648.82 करोड़ रुपये के प्रस्ताव और उच्च विशिष्टियो को मंजूरी दे दी। मंजूर किये गए प्रस्ताव मे जमीन की लागत 448.73 करोड़ रुपये और भवन निर्माण के लिए 200.09 करोड़ रुपये आंकी गई है।

हार्वर्ड विवि की तर्ज पर बनेगी इलाहाबाद राज्य विवि की इमारत

◆ जल्द विस्तार लेगा राज्य विवि का विकसित स्वरूप

जासं, इलाहाबाद : इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय की इमारत का प्रारूप अमेरिका के हार्वर्ड विवि की तर्ज पर होगा। कैंपस का एकेडमिक और आवासीय इमारत का खाका तैयार हो रहा है। भवन का स्वरूप उत्तर प्रदेश स्टेट इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कारपोरेशन लिमिटेड (यूपीएसआइडीसी) के दिशा निर्देश पर तैयार किया जा रहा है।

इलाहाबाद राज्य विवि का भवन आधुनिकतम स्वरूप लिए होगा। इसके सभी संकाय और स्कूलों को आधुनिक संसाधनों से समृद्ध किया जाएगा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री की महत्वाकांक्षी योजना में यह विश्वविद्यालय प्रथम श्रेणी में शामिल है। ... को आधुनिकतम स्वरूप प्रदान करना चाहते हैं। नैनी में बनने वाले इस नवस्थापित विश्वविद्यालय का स्वरूप हाइटेक होगा। शासन की नीतियों के अनुसार भवन का निर्माण का काम जल्द शुरू होगा। भवन का नक्शा भी तैयार हो चुका है। कुछ कागजी कार्यवाही चल रही है जो जल्द ही पूरी होगी। उन्होंने कहा कि विवि विभिन्न स्कूलों और विशेषज्ञता वाले पाठ्यक्रमो के साथ संचालित किया जाएगा। जिसमें स्नातक, परास्नातक और शोध की सुविधा मिलेगी। पाठ्यक्रम, लैब ...

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, उ0प्र0

अल्पकालिक निविदा सूचना

विश्वविद्यालय में विभिन्न प्रकार के फर्नीचर की आपूर्ति हेतु गोदरेज, ड्यूरियन, डेलाइट काम, डेलाइट हाईटेक, विप्रो, हैवेल्स, ब्लोपास्ट, डिबानो एवं जुवारी आदि ख्याति प्राप्त निर्माता कम्पनियों के अधिकृत विक्रेताओं से सीलबन्द निविदाएं दिनांक 24.12.2016 को अपरान्ह 3.00 बजे तक वित्त अधिकारी कार्यालय कक्ष में रखे टेण्डर बॉक्स में आमंत्रित की जाती है। निविदाएं उसी दिन अपरान्ह 04.00 बजे उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष खोली जायेंगी। फर्नीचर की विशिष्टियां तथा निविदा से सम्बन्धित निविदा प्रपत्र, नियम एवं शर्तें विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.alldstateuniversity.org पर उपलब्ध है।

प0: इ0रा0वि0वि0/कु0स0का0/213/2016 दिनांक 17.12.2016 — कुल सचिव

राज्य विवि ही करेगा कर्मचारियों की भर्ती

कार्य परिषद की पहली बैठक में मिली मंजूरी

amarujala.com — अमर उजाला — मंगलवार, 20 दिसंबर 2016 — 5

सीएम सूबे को आज देंगे 60 हजार करोड़ की सौगात

इलाहाबाद में राज्य विश्वविद्यालय के भवन का होगा शिलान्यास

डेढ़ दर्जन योजनाओं का करेंगे लोकार्पण और शिलान्यास

किसान दिवस पर जनता के लिए खुलेगा आगरा एक्सप्रेस-वे

ऑनलाइन हुए पाठ्यक्रम

अखिलेश ने दिया अरबों की योजनाओं का तोहफा

एएसयू के पेपर प्रारूप पर हुआ मंथन

कार्यशाला

व्यक्तित्व विकास के लिए दिए टिप्स

सवा पांच अरब में इलाहाबाद में बनेगा राज्य विश्वविद्यालय

इराविवि में 35 गैर शैक्षणिक पदों पर होगी नियुक्ति

इलाहाबाद : इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कामकाज में तेजी लाने के लिए 35 गैर शैक्षणिक पदों पर भर्ती होगी। यह महत्वपूर्ण निर्णय मंगलवार को विश्वविद्यालय की प्रथम कार्य परिषद की बैठक में लिया गया। कुलभास्कर आश्रम महाविद्यालय में हुई इस बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। ज्ञान विज्ञान के नवीनतम पाठ्यक्रमों के लिए सलाहकार समिति के गठन का भी निर्णय लिया गया।

कुलपति प्रो. राजेंद्र प्रसाद की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में 19 सदस्यों ने भाग लिया। जिसमें विश्वविद्यालय की स्थापना, शैक्षिक एवं प्रशासनिक विकास आदि के महत्वपूर्ण निर्णय लिए गये। ...

गीत-संगीत में छात्र-छात्राओं ने दिखाया हुनर

सीएम ने खोला विकास का पिटारा

कैंसर संस्थान सहित 1200 अन्य परियोजनाओं का किया लोकार्पण और शिलान्यास

बेमिसाल होगा संगम का पुल

मुख्यमंत्री ने रखी 1252.58 करोड़ की लागत से चार लेन सेतु व पहुंच मार्ग की नींव

शिलान्यास की गई अन्य परियोजनाएं

इन परियोजनाओं का लोकार्पण

'मंगल'मय हुआ लखनऊ

60,000

5790

इलाहाबाद को सीएम ने दी ₹1877 करोड़ की सौगात

बड़ी परियोजनाएं

शिक्षा में कौशल विकास आवश्यक

यह हुनर और रोजगार का युग है। कौशल विकास और सांस्कृतिक आदान-प्रदान की जरूरत शिक्षा के प्रसार में सर्वाधिक है। नई शिक्षानीति का अनुसरण करने में विश्वविद्यालयों को आगे आना चाहिए। शिक्षा को भ्रष्टाचार मुक्त बनाने से ही छात्रों और शिक्षकों का सर्वांगीण विकास संभव है। उच्च शिक्षा के सिलेबस अपडेट कर सभी स्तर के छात्रों को बेहतर बनाया जाना चाहिए।

-प्रो. राजेंद्र प्रसाद, कुलपति इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय इलाहाबाद।

एएसयू ही करे 35 शिक्षणेत्तर कर्मचारियों की भर्ती

फैसला

कुलपति का वेतन होगा संरक्षित

Akhilesh on ribbon-cutting spree

DURING THE DAY Projects worth over ₹26,000 crore launched

IN NUMBERS

कौशल विकास से निकलेगी राह

केंद्रीय और राज्य विश्वविद्यालयों में कर्मचारियों की भर्ती का रास्ता भी साफ

केंद्रीय विश्वविद्यालय में कर्मचारियों की भर्ती के लिए बना सेल

...पुर की तर्ज पर होगी ...य विवि की परीक्षा

इलाहाबाद (ब्यूरो)। इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय ने सत्र 2016-17 की परीक्षा कानपुर विवि के पैटर्न पर कराने का निर्णय लिया है। ऐसे में अब छात्र-छात्राओं व शिक्षकों को परेशान नहीं होना पड़ेगा। हालांकि विश्वविद्यालय ने प्रश्नपत्र की बेहतरी के लिए आंशिक संशोधन करने की भी बात कही है। सत्र 2016-17 से जिले के सभी कॉलेज, इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय से संबद्ध कर दिए गए हैं। जिससे स्नातक और परास्नातक भाग एक की परीक्षा इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय कराएगा। जबकि पूर्व में संबंधित डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय स्नातक भाग दो व तीन और परास्नातक भाग दो की परीक्षा कराएगा। विश्वविद्यालय बदल जाने की वजह से शिक्षको में शुरू से ही शिक्षण कार्य को लेकर असमंजस बना रहा।

ALLAHABAD STATE UNIVERSITY

MISSION STATEMENT

The prime mission of Allahabad State University is set to provide integrated approaches of local, regional, national and global opportunities for higher learning, research and engagement to the diverse sets of student population. The University intends to offers a full range of degree programmes at the Bachelor, Master, doctoral, post-doctoral and professional levels, coupled with the entire domain and scope of research and other creative activities.

GOALS

Allahabad State University is inclined to provide quality higher education to the younger generation, and intends to emerge as a "world-class" multi-disciplinary global institution encompassing various branches and frontiers of higher learning and research in the entire domain, range and scope of "knowledge power". The University will evolve a student profile comparable with national and global (public and private) institutions of higher education by creating an environment in which students' success in diverse areas can be seen to the optimum level. It will also fulfil the skill developmnent and professional needs of creating a strong regional and state workforce, while emerging as a primary engine of social, economic, and intellectual development in India and abroad in the Age of Globalisation.

The University is also set to embark upon the path of realising its endeavors and accomplishments, coupled with the ability of the students and faculty to build a resource base of highest order.

As its primary goal, the Allahabad Sate University is dedicated to becoming a nationally and globally recognized institution in the 21st century along with the shared universal values of humanity at large. Accordingly, it is bound to utilise its material, human and other resources for:

- Imparting higher education to fulfil the diverse needs of students' community, including foreign students.
- Promoting excellence within the entire domain, range and scope of higher education and professional studies.
- Meeting cultural and other challenges to our nation-building and eventually augmenting the quality of life in the urban and rural areas through teaching, learning, advanced research and multi-dimensional activities.